IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved Journal UGC CARE Listed (Group-I) Volume 13, Iss 04 Nov 2024

उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं के स्तर का एक अध्ययन

मणिप्रभा राय[1], डॉ लुभावनी त्रिपाठी[2]

[1]शोधार्थी, [2]प्रोफेसर एँवं शोध निर्देशक

[1,2]शिक्षा विभाग कलिंगा विश्वविद्यालय,रायपुर

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं के स्तर का परीक्षण करना है। व्यावसायिक आकांक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक चर है, जो विद्यार्थियों के करियर–निर्णय, लक्ष्य–निर्धारण, आत्म-संकल्पना तथा शैक्षिक उपलब्धि को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इस शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग स्थित जगदलपुर शहर के 800 विद्यार्थियों का चयन किया गया। डेटा संग्रह हेतु जे. एस. ग्रेवाल द्वारा निर्मित मानकीकृत व्यावसायिक आकांक्षा मापनी का उपयोग किया गया। प्रतिशत विश्लेषण के आधार पर पाया गया कि अधिकांश विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ औसत से उच्च स्तर की हैं, जबकि अत्यंत निम्न और निम्न स्तर की आकांक्षा वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत अत्यल्प है। निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि विद्यार्थियों में करियर-जागरूकता एवं भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विद्यमान है। अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थों और परामर्श संबंधी सुझावों पर भी चर्चा की गई है।

मुख्य शब्द: व्यावसायिक आकांक्षा, उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थी, करियर विकास, उपलब्धि अभिप्रेरणा, भविष्य अभिमुखता।

1. परिचय

व्यावसायिक आकांक्षा विद्यार्थियों के भविष्यगत करियर–निर्णयों की दिशा और गति निर्धारित करने वाला एक केन्द्रीय मनोवैज्ञानिक घटक है। यह न केवल उनके लक्ष्य–निर्धारण एवं उपलब्धि–उन्मुख व्यवहार को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक–आर्थिक उन्नति, व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उच्चतर माध्यमिक स्तर वह अवस्था है जहाँ विद्यार्थी अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णय—विषय–चयन, करियर–चयन और शैक्षिक लक्ष्यों—के बारे में सोचते हैं। इसलिए इस अवस्था में विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का स्तर जानना शैक्षिक नियोजन, मार्गदर्शन एवं करियर–परामर्श के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रस्तुत शोध इसी पृष्ठभूमि में उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा के स्तर का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

2. शोध का उद्देश्य

यह शोध–पत्र मुख्य अध्ययन के केवल उद्देश्य 1 पर आधारित है:

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved Journal UGC CARE Listed (Group-I) Volume 13, Iss 04 Nov 2024

1. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं के स्तर का अध्ययन करना।

3. शोध पद्धति

3.1 शोध रूपरेखा

प्रस्तुत अध्ययन की प्रकृति वर्णनात्मक है। इस प्रकार के अध्ययन में किसी समूह की वर्तमान मनोवैज्ञानिक, सामाजिक अथवा शैक्षिक विशेषताओं का तथ्यात्मक विवरण प्राप्त किया जाता है। अतः विद्यार्थी समूह की व्यावसायिक आकांक्षाओं के वास्तविक स्वरूप, स्तर तथा प्रवृत्तियों को समझने के उद्देश्य से वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति उपयुक्त सिद्ध हुई।

यह पद्धति विद्यार्थियों का किसी प्रकार का हस्तक्षेप किए बिना उनके स्वाभाविक विद्यालयी वातावरण में अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करती है। इसी कारण इसे इस शोध के लिए सर्वाधिक वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक माना गया।

3.2 जनसंख्या एवं प्रतिदर्श

इस अध्ययन की जनसंख्या में बस्तर संभाग स्थित जगदलपुर शहर के सभी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11वीं के विद्यार्थी सम्मिलित थे। यह आयु–चरण विद्यार्थियों के करियर–जागरूकता, सामाजिक–मानसिक विकास, लक्ष्य–निर्धारण तथा व्यावसायिक दिशा–निर्माण के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है।

प्रतिदर्श के चयन हेतु उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन विधि अपनाई गई। अध्ययन हेतु कुल 800 विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रतिदर्श चयन में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि—

- विभिन्न विद्यालय–प्रकारों (शासकीय एवं अशासकीय),
- विविध सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमियों,
- तथा लिंग–आधारित संतुलन (बालक–बालिका)

का समान एवं यथार्थपरक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।

इतना बड़ा प्रतिदर्श शोध–निष्कर्षों की विश्वसनीयता, स्थिरता एवं सामान्यीकरण क्षमता को अधिक सशक्त बनाता है।

3.3 शोध उपकरण

विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का मापन करने के लिए जे. एस. ग्रेवाल (2010) द्वारा विकसित व्यावसायिक आकांक्षा मापनी का प्रयोग किया गया। इस मापनी के उपयोग के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

(क) उच्च प्रमाणिकता

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved Journal UGC CARE Listed (Group-I) Volume 13, Iss 04 Nov 2024

यह मापनी भारतीय परिस्थितियों में बार–बार परखी जा चुकी है तथा इसके परिणाम स्थिर, सुसंगत एवं प्रमाणिक पाए गए हैं।

(ख) विस्तृत आयामी संरचना

यह मापनी विद्यार्थियों की—

- अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक व्यावसायिक अभिलाषाएँ,
- आदर्शवादी तथा यथार्थवादी आकांक्षाएँ,
- सामाजिक प्रतिष्ठा–आधारित व्यवसाय–चयन,
- भविष्य–दृष्टिकोण तथा उपलब्धि–इच्छा

का वैज्ञानिक आकलन प्रस्तुत करती है।

(ग) सरल प्रशासन

इसे एक साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों पर सहजता से प्रशासित किया जा सकता है तथा इसके निर्देश सरल एवं स्पष्ट होते हैं।

इस प्रकार यह शोध–उपकरण अध्ययन की प्रकृति एवं उद्देश्यों के साथ पूर्णतः संगत सिद्ध हुआ।

3.4 आँकड़ा–संग्रह की प्रक्रिया एवं विश्लेषण

(क) अनुमति एवं नैतिक सहमति

सभी चयनित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से औपचारिक अनुमति प्राप्त की गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों को अध्ययन के उद्देश्य, गोपनीयता तथा उत्तर देने की स्वैच्छिक प्रकृति के विषय में स्पष्ट जानकारी दी गई।

(ख) उपकरण का प्रशासन

विद्यार्थियों को शांत, व्यवधान–रहित तथा अनुकूल वातावरण में एकत्र कर मापनी वितरित की गई।
संभव भ्रमों को दूर करने हेतु शोधकर्ता स्वयं उपस्थित रहे।

(ग) अंकन एवं श्रेणीकरण

अंकन–प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात सभी विद्यार्थियों को निम्नलिखित 7 स्तरों में वर्गीकृत किया गया—

1. अत्यंत निम्न
2. निम्न
3. औसत से निम्न
4. औसत

Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved

5. औसत से उच्च
6. उच्च
7. अत्यंत उच्च

ये स्तर विद्यार्थियों की करियर–उन्मुखता, प्रतिष्ठा–सम्बन्धी सोच, लक्ष्य–निर्धारण क्षमता एवं उपलब्धि–बोध के संकेतक माने जाते हैं।

(घ) सांख्यिकीय विश्लेषण

इस अध्ययन का उद्देश्य व्यावसायिक आकांक्षा के स्तर–वितरण का निर्धारण करना था, अतः प्रतिशत विश्लेषण का प्रयोग किया गया।
प्रतिशत विश्लेषण से—

- विभिन्न स्तरों का स्पष्ट तुलनात्मक चित्र,
- समूहों के बीच अंतर,
- तथा समग्र प्रवृत्तियों का निदर्शन

अत्यंत सरल एवं वैज्ञानिक रूप से संभव हो सका।

4. परिणाम

4.1 व्यावसायिक आकांक्षा का स्तर – प्रतिशत वितरण

तालिका क्रमांक 1

उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं के स्तर

स्तर	संख्या	प्रतिशत
अत्यंत निम्न	12	1.50%
निम्न	38	4.75%
औसत से निम्न	156	19.50%
औसत	198	24.75%
औसत से उच्च	210	26.25%
उच्च	142	17.75%
अत्यंत उच्च	44	5.50%
कुल	800	100%

4.2 परिणामों की व्याख्या

विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि अत्यंत निम्न तथा निम्न स्तर की व्यावसायिक आकांक्षा रखने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत केवल 6% है, जबकि लगभग 19.50% विद्यार्थी औसत से निम्न स्तर पर पाए गए, जो करियर–निर्णयों

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved Journal UGC CARE Listed (Group-I) Volume 13, Iss 04 Nov 2024

में सीमित महत्वाकांक्षा या अनिश्चितता को दर्शाता है। इसके विपरीत सबसे अधिक संख्या, अर्थात् 26.25% विद्यार्थी, औसत से उच्च स्तर की आकांक्षा रखते हैं, जो उनके भीतर उन्नति, सामाजिक प्रतिष्ठा तथा करियर–निर्धारण के प्रति स्पष्ट लक्ष्य–बोध का संकेत है। उच्च एवं अत्यंत उच्च स्तर की आकांक्षा रखने वाले विद्यार्थियों का सम्मिलित प्रतिशत 23.25% पाया गया, जिससे यह ज्ञात होता है कि एक महत्वपूर्ण वर्ग भविष्य के प्रति अत्यंत सजग, महत्वाकांक्षी तथा उपलब्धि–उन्मुख है। समग्र रूप से परिणाम यह दर्शाते हैं कि अधिकांश विद्यार्थी अपने करियर को लेकर सकारात्मक, प्रोत्साहक और लक्ष्य–उन्मुख दृष्टिकोण रखते हैं, जो वर्तमान शैक्षिक वातावरण, पारिवारिक अपेक्षाओं तथा सामाजिक प्रोत्साहन के अनुकूल प्रभाव को प्रतिबिंबित करता है।

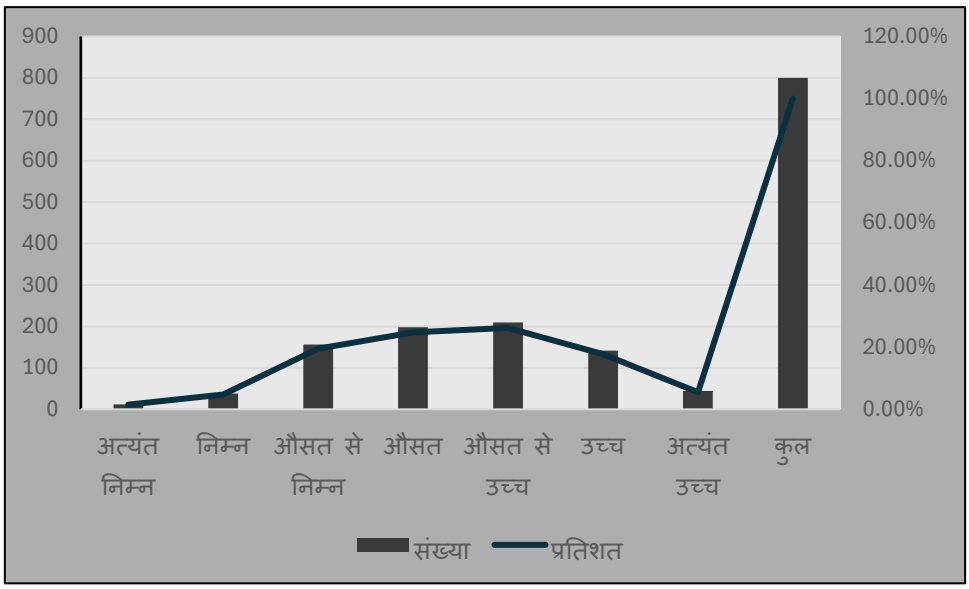

ग्राफ क्रमांक 1 उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं के स्तर

5. चर्चा

प्राप्त परिणाम दर्शाते हैं कि आज के किशोर अपने करियर को लेकर अधिक जागरूक हैं।
औसत से उच्च तथा उच्च स्तर की आकांक्षा बताती है कि-

- विद्यार्थियों को करियर की स्पष्ट समझ है
- वे दीर्घकालिक लक्ष्य बनाने में सक्षम हैं
- सामाजिक और पारिवारिक अपेक्षाएँ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं

अत्यंत निम्न आकांक्षा वाले विद्यार्थियों में—

- मार्गदर्शन की कमी
- शैक्षिक अवसरों से दूरी
- आत्म-संदेह

  जैसे कारण देखे जा सकते हैं।

Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved

अध्ययन सुपर और बंडूरा के करियर-विकास सिद्धांतों का समर्थन करता है, जिनके अनुसार आत्म-प्रभाविता और सामाजिक मॉडलिंग से आकांक्षा का निर्माण होता है।

6. निष्कर्ष

अध्ययन से सिद्ध होता है कि-

उच्चतर माध्यमिक स्तर के अधिकांश विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ औसत से उच्च स्तर की हैं।

यह स्थिति करियर-जागरूकता, आत्मविश्वास और उपलब्धि–उन्मुखता का संकेत है।

कम आकांक्षा वाले विद्यार्थियों को विशेष करियर–मार्गदर्शन की आवश्यकता है।
विद्यालय-स्तर पर संरचित परामर्श कार्यक्रमों एवं करियर–उन्मुख गतिविधियों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

7. शैक्षिक निहितार्थ

शिक्षकों हेतु:

- विद्यार्थियों में भविष्य–अभिमुख सोच को विकसित करने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- आत्म-प्रेरणा और लक्ष्य निर्धारण की रणनीतियाँ सिखाना।

परामर्शदाताओं हेतु:

- कम आकांक्षा वाले विद्यार्थियों की व्यक्तिगत सहायता
- करियर–जागरूकता कार्यशालाएँ
- परिवार एवं विद्यालय के बीच परामर्श सेतु का निर्माण

नीति–निर्माताओं हेतु:

- विद्यालयों में करियर–परामर्श इकाई अनिवार्य हो
- सरकारी विद्यालयों में करियर–अवसरों की जागरूकता बढ़ाई जाए

8. संदर्भ सूची

- अग्रवाल, एस. (2018). किशोर विद्यार्थियों की करियर प्रेरणा का सामाजिक अध्ययन (pp. 41–63). लखनऊ: नवभारत प्रकाशन.
- अत्रि, के. (2020). विद्यालयी वातावरण एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास. शैक्षिक मनोविज्ञान अंतरदृष्टि, 16(2), 58–74.
- अहिरवार, पी. (2019). माध्यमिक विद्यार्थियों में लक्ष्य–नियोजन एवं अभिप्रेरणा का विश्लेषण. शिक्षा शोध जर्नल, 13(1), 92–108.
- बंसल, टी. (2021). सामाजिक–भावनात्मक अधिगम और छात्र समायोजन (pp. 25–49). जयपुर: राजस्थान पब्लिकेशन हाउस.

Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved

- बरनवाल, ए. (2022). विद्यार्थी करियर निर्णय–निर्माण पर पारिवारिक परिवेश का प्रभाव. भारतीय शिक्षा समीक्षा, 18(3), 77–95.
- चक्रवर्ती, एम. (2017). समायोजन व्यवहार और किशोर मनोविज्ञान (pp. 10–34). कोलकाता: ज्ञानभारती प्रकाशन.
- देव, आर. (2020). व्यवसायिक आकांक्षाओं में विद्यालयी परामर्श की भूमिका. राष्ट्रीय शिक्षा शोध पत्रिका, 14(4), 101–118.
- धवन, एस. (2022). विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा एवं अध्ययन–आदतों का संबंध. मनोविज्ञान शोध संकेत, 21(1), 33–52.
- नायर, आर. (2019). किशोरों में सामाजिक समर्थन और समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन (pp. 29–57). तिरुवनंतपुरम: दक्षिण भारत प्रकाशन.
- पाण्डेय, एम. (2018). व्यावसायिक चयन पर लिंग का प्रभाव. भारतीय मनोविज्ञान जर्नल, 11(2), 66–82.
- प्रजापति, टी. (2020). विद्यार्थी अभिप्रेरणा और आत्म–प्रभाविता का संबंध (pp. 18–47). अहमदाबाद: सुदर्शन प्रकाशन.
- मलिक, जे. (2021). करियर आकांक्षाएँ एवं सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि: एक विश्लेषण. शैक्षिक परिप्रेक्ष्य, 9(2), 55–73.
- राय, बी. (2017). छात्र समायोजन पर विद्यालयी सहभागिता का प्रभाव. मनोविज्ञान अंतरदृष्टि जर्नल, 12(1), 40–58.
- शर्मा, क. (2020). उपलब्धि अभिप्रेरणा और अध्ययन परिणाम: एक सहसंबंधीय अध्ययन. भारतीय शिक्षा अनुसंधान समीक्षा, 15(3), 90–104.
- सिंह, आर. (2021). उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की करियर महत्वाकांक्षा का मनोवैज्ञानिक परीक्षण (pp. 51–84). वाराणसी: सत्यम प्रकाशन.